दै. स्वदेश, भोपाल 26 JAN 2010

शिवराज सिंह बेहद ईमानदार और जवाबदेह मुख्यमंत्री: गडकरी

छात्र राजनीति से सामाजिक जीवन की शुरुआत करने वाले 52 वर्षीय नितिन गडकरी को सबसे कम उम्र में भाजपा अध्यक्ष बनने का गौरव प्राप्त हुआ है। यही नहीं, वह भाजपा के इस शीर्ष पद पर पहुंचने वाले महाराष्ट्र के पहले नेता भी हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना-भाजपा गठबंधन सरकार में लोक निर्माण मंत्री रहते हुए अपने विकास कार्यों का लोहा मनवा चुके गडकरी अनुभवी एवं दूरदर्शी व्यक्तित्व के धनी हैं। वास्तविकताओं को स्वीकारने से उन्हें गुरेज नहीं। भाजपा को धार देने और पार्टी की प्रतिष्ठा को पुन: स्थापित कराने के लिए मजबूत इरादों से डटे गडकरी से स्वदेश भोपाल के दिल्ली ब्यूरो प्रमुख संजय मिश्र ने उनसे दल और देश की राजनीति पर बेबाक बात की। पेश हैं बातचीत के कुछ प्रमुख अंश:

नितिन जी, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की सरकारों को आप क्या रेटिंग देंगे ?

- अच्छा। दोनों ही राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं, जो अच्छा कार्य कर रही हैं। जनता की आकांक्षाओं पर खरा उतरते हुए दोनों सरकारें उत्तम प्रदर्शन कर रही हैं। जहां एक ओर भाजपा शासन में मप्र का विकास अच्छा हुआ है तो दूसरी ओर छग बदला हुआ है। इन राज्यों में गुणात्मक विकास हुआ है। जनता की आम जरूरतों को लेकर दोनों ही सरकारें संवेदनशील हैं।

मुख्यमंत्री के रूप में शिवराज सिंह को आप कैसा आंकते हैं?

- देखिए, शिवराज सिंह चौहान बेहद ईमानदार और जवाबदेह मुख्यमंत्री हैं। विकास के मायने में प्रदेश को उन्होंने नई ऊंचाई प्रदान की है। संगठन के विचारों को शासन का मूल मंत्र बनाकर जनता की जरूरतों को पूरा करने में वह सफल रहे हैं। उनका जीवन मप्र के विकास और भाजपा की मजबूती के लिए समर्पित है।

➤ भाजपा अध्यक्ष से विशेष बातचीत

गडकरी जी, आप वास्तविकताओं को स्वीकारने वाले नेता माने जाते हैं। भाजपा की पार्टी विद द डिफरेंस की छवि में आई गिरावट के बारे में आपकी राय एवं उसके सुधारने के लिए उठाये जाने वाले कदमों के बारे में आप क्या कहेंगे?

- देखिए, भाजपा की पार्टी विद द डिफरेंस की छवि आज भी है, जिसकी जीती जागती मिशाल यह है कि मेरे जैसा पोस्टर चिपकाने वाला कार्यकर्ता भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है। अन्य दलों में ऐसी परंपरा नहीं है। वहां सिर्फ नेता पुत्र या प्रधानमंत्रियों के बेटे अथवा उनके नाती-पोते ही अध्यक्ष बनते हैं। हां, मीडिया के गलत प्रस्तुतीकरण के कारण पार्टी की साख जनमानस में थोड़ी डिगी है, जिसपर जल्द नियंत्रण पा लिया जाएगा। पार्टी में तेज गति से बदलाव होगा। कुछ गलत समाचारों से गलतफहमी पैदा हुई है। इसलिए पार्टी को मीडिया से दूर रहने की जरूरत है। पूर्ण विश्वास के साथ कह रहा हूं कि आज भी भाजपा औरों से एक अलग दल है। जिसमें लाखों कार्यकर्त्ता सिद्धांत एवं देश के लिए समर्पित हैं। यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

आपने हाल ही में भाजपा शासित वित्त मंत्रियों की बैठक कर काम की सच्चाइयों से रूबरू होने का प्रयास किया था, क्या यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा? मुख्यमंत्रियों की बारी कब...

- भय, भूख और आतंक से मुक्त भारत का निर्माण करना हमारा लक्ष्य और सुशासन लाना प्रयास है। जिन राज्यों में हमारी सरकारें हैं वहां गुणात्मक विकास के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। अच्छे कार्यों के लिए पार्टी ने एक रिसर्च एवं डेवलेपमेंट विंग स्थापित किया है। गुड गवर्नेंस के लिए जल्द ही मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलायेंगे, ताकि एक राज्य की अच्छी योजनाओं का लाभ दूसरे राज्यों में भी अमल में लाया जा सके। विकास के लिए हमें विरोधी दल के शासित राज्यों की सफल योजनाओं को अपने राज्यों में अमल करने से भी गुरेज नहीं। भाजपा शासित वित मंत्रियों की बैठक के बाद हमने जनजातीय मामलों के मंत्रियों की बैठक बुलाई है। जिसमें आदिवासियों में शिक्षा (शेष पेज 9 पर)

शिवराज सिंह बेहदं ईमानदार और जवाबदेह मुख्यमंत्री: गडकरी

प्रसार, रोजगार, कुपोषण और जंगलों को उपयोग कर इस वर्ग को सशक्त बनाने की योजना बनाई जाएगी।

महंगाई को लेकर संप्रग सरकार द्वारा राज्य सरकारों पर दोषा रोपण हो रहा है। आपकी राय।

-संप्रग सरकार की संवेदनशीलता समाप्त हो चुकी है। महंगाई के लिए पूरी तरह केन्द्र सरकार दोषी है। राज्यों पर आरोप मढ़नाा निंदनीय है।

हिन्दुत्व और राम मंदिर निर्माण की वकालत करने के कारण आप पर साम्प्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगता है। ये मुद्दे अब बैक सीट पर जायेंगे ?

जी नहीं, हिन्दुत्व की व्याख्या राजनीति और चुनाव से नहीं हो सकती है। यह एक संस्कृति है और जीवन जीने का आधार है। रही बात राम मंदिर निर्माण की तो भाजपा इसके लिए सार्थक प्रयास करेगी। यह मात्र तीन तरीकों से ही संभव है। पहला, संसद में कानून बनाकर दूसरा, सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के जरिये और तीसरा, हिन्दू-मुस्लिम के आपसी सहयोग से।